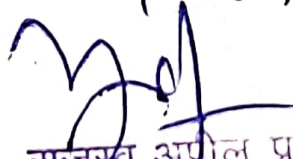


26/03/25

अधिवक्ता उमरापट्ट उपा) प्रकरण में अधिवक्ता
अपीलेंट से प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन
किया कि प्रकरण से संबंधित अधिलक्ष्य
न्यायालय में विचाराधीन मूल दावा डिफ़ी
हो गया है। इस कारण उक्त अपील प्रभावहीन
होने से अपील धरिये नौर-प्रेस खारिज
करने योग्य है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार
किया जाकर अपील धरिये नौर-प्रेस खारिज
फरमाई जावे।

प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को मद्देनजर
रखते हुए न्यायहित में प्रार्थना पत्र स्वीकार
किया जात है संब पत्रावली धरिये नौर-प्रेस
खारिज किया जात है। पत्रावली में सल
शुमार होकर बाय आवस्यत कार्यवाही शाखिर
हूक्कर है।


राजश्व अपील प्राधिकारी
पाली